उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन में 10 गुना वृद्धि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने घोषणा की कि पिछले 8 वर्षों में राज्य में [सौर ऊर्जा](#) उत्पादन में 10 गुना वृद्धि हुई है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - उत्तर प्रदेश **नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA)** ने वर्तमान सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह जानकारी दी।
  - वर्ष **2017** में राज्य में सौर ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता **288 मेगावाट** थी, जो **2025** में बढ़कर **2653 मेगावाट** हो गई है।
- **उत्तर प्रदेश के सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रयास:**
  - **सौर ऊर्जा नीति – 2022**:
    - 5 वर्षों में 22 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य।
    - यह नीति भविष्य में [जीवाश्म ईंधन](#) पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से बनाई गई है।
  - **बुंदेलखंड में सौर ऊर्जा पार्क**:
    - [बुंदेलखंड क्षेत्र](#) में 4,000 मेगावाट क्षमता का [सौर पार्क](#) विकसित किया जा रहा है।
    - चित्रकूट, बाँदा और अन्य क्षेत्रों में 800 मेगावाट की सौर परियोजनाओं का विकास।
  - **रूफटॉप और फ्लोटिंग सोलर प्लांट**:
    - **508 मेगावाट सोलर रूफटॉप** परियोजनाएँ घरों की छतों पर स्थापित की जा चुकी हैं।
    - उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा इस योजना के तहत प्रदेशवासियों को सब्सिडी प्रदान की जा रही है।
    - सोलर रूफटॉप इंस्टालेशन में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद उत्तर प्रदेश **तीसरे स्थान पर** है।
    - **औरया के दिबियापुर में प्रदेश का पहला फ्लोटिंग सोलर प्लांट** लगाया गया है और ललितपुर में 1 गीगावॉट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जा रहा है

सौर ऊर्जा के बारे में:

- सौर ऊर्जा, जिसे सूर्य से प्राप्त ऊर्जा के रूप में जाना जाता है, एक स्वच्छ और **अक्षय ऊर्जा** स्रोत है। यह सौर प्रौद्योगिकी के माध्यम से उपयोग की जाती है, जो मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है:
  - **सौर तापीय**: इसमें सूर्य की ऊष्मा का उपयोग पानी को गर्म करने के लिये किया जाता है।
  - **सौर फोटोवोल्टिक (पीवी)**: इसमें सूर्य की किरणों को विद्युत ऊर्जा में बदलने के लिये फोटोवोल्टिक प्रभाव का उपयोग किया जाता है।
- **सौर ऊर्जा का उपयोग:**
  - सौर प्रौद्योगिकियाँ मापनीय और लचीली होती हैं, जो पूरे शहर को सौर फार्मों के माध्यम से बिजली प्रदान कर सकती हैं।
  - विकेंद्रीकृत प्रणालियों के द्वारा दूरदराज़ क्षेत्रों में भी बिजली की आपूर्ति की जा सकती है।
  - छतों पर सौर पैनल लगाकर घरों और वाणिज्यिक भवनों को ऊर्जा प्रदान की जा सकती है।
    - **उदाहरण**: कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एक ऐसा उदाहरण है जहाँ सौर ऊर्जा का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।
- **सौर ऊर्जा के महत्त्व:**
  - **जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता** में कमी।
  - **कार्बन उत्सर्जन** को कम करना।
  - [वायु गुणवत्ता](#) में सुधार।
  - **ऊर्जा तक पहुँच और सुरक्षा** को बढ़ावा देना।

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण

- उत्तर प्रदेश सरकार ने अप्रैल 1983 में वैकल्पिक ऊर्जा विकास संस्थान की स्थापना की थी, जो एक स्वायत्तशासी संस्था के रूप में कार्यरत था।

- बाद में इस संस्था का नाम बदलकर **उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA)** रखा गया।
- यह अभिकरण प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये **स्टेट नोडल एजेंसी** के रूप में भी कार्य करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/increased-solar-energy-production-in-uttar-pradesh